



४
१.८.८०

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं ९]

नई दिल्ली, शनिवार, मई २५, १९८५/ज्येष्ठ ४, १९०७

No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 25, 1985/JYAISTHA 4, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचनाएं

नई दिल्ली, 14 मई, 1985

निर्देश सं. आई ए सी/एकू-1/एप-आर-III/
8-84/496 —अत मुझे, आर. पी. राजेश, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) (जिसे इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' हाहा गजा है) की धारा 269ब के अधीन
सक्षम अधिभारी को यह विश्वान दरने द्वा दारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु.
में अधिक है और जिसकी संख्या 56, ब्लाउ नं 10,
तादादी 1250 वर्गगज है तथा जो गोलक लिए, नई दिल्ली
में स्थित है (और इन्हें उपादान अनुमती से पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 ना
16) ने अधीन तारीख अगस्त, 1984 को पुर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से इसके दृश्यमान प्रतिफल के
पिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास दरने का
दारण है कि इसके अन्तरित का बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरण (अन्तर्गतों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक नहीं दिया गया है:—

(ट) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
दूर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी दरने या
उन्हीं बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी दियी आय जो किसी धन, या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 ना 11) द्वा आयकर अधिनियम, 1961
(1961 ना 13) द्वा धन-उत्तर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुद्दिया के लिए ।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुमति में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर कुमार कपूर और श्री रम द्वपुर, मुमुक्षु श्री गणेश दिना कपूर, निवासी 56 गोल्फ लि. नई दिल्ली (अन्तर्गत)
2. श्री इब्राहिम चन्द खुराना मुमुक्षु श्री तुलसी दास और श्री अधिनी खुराना मुमुक्षु श्री इब्राहिम चन्द खुराना, निवासी ई-1085, नई फ्रेंड्स कॉलनी, नई दिल्ली (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गमनि के अंतर्गत के लिए धार्यवाही प्राप्त करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के मंबंध बोर्ड भी आधेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या नन्मवधी व्यक्तियों पर मूल्यना श्री नार्मान में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से भिन्नी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवैहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों ना, जो आय-दर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-व में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान प्लॉट नं. 56 ब्लॉक नं. 10, नाइटी 1250 वर्ग गज, गोल्फ लिंक, नई दिल्ली ।

तारीख 14-5-85

मोहर :

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I**

Notices under Section 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 14th May, 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/496.—Whereas
I, R.P. Rajesh, being the Competent Authority
under section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing House on Plot No. 56, block No. 10 mg. 1250 sq. yds. situated at Golf Link, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1984, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri Amar Kumar Kapur and
Shri Ram Kapur s/o Gurhan Ditta Kapur,
R/o 56, Golf Link, New Delhi.

(Transferor)
- (2) Shri Iqbal Chand Khurana s/o Tulsi Das
and Sh. Ashwani Khurana s/o Iqbal
Chand Khurana,
D-1085, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House on Plot No. 56, block No. 10, measuring 1250 sq. yds. Golf Link, New Delhi.

Dated : 14-5-1985

Seal

नई दिल्ली 13 मई, 1985

निदेश म आई प. सी/एक्यू I/एस-आर-III/
8-8/473-ग्र-—देन मुझे, आर पी गोप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस उसमें पञ्चान् 'उक्त अधिनियम' या गया है) की धारा 366ब्द के अधीन संश्लेषण अधिनियम का यह विषयाम दर्जने वा लागण है कि ग्राहक गमनि, जिनका उत्तिवातार मूल्य 100,000/- रु. न अधिक है और जिसकी मंजूरी विधि मूलि नावारी 5 बीघे और 1 बिंदु वा तथा ग्राम 6 पराणी, नहरील महरीली, नई दिल्ली, में स्थित है (जो इसमें उत्तर अन्तर्गत अन्तर्गती में पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्का अधिनियम के आयालिय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 20 अगस्त, 1981 वो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में इस के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास दर्जने वा लागण है कि यथा-पुराना सम्पत्ति या बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल गे, एवं दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तर (अन्तर्गती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एवं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में रखिय नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही कियी आय की वावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के, लिए और/ या (ख) ऐसी कियी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1923 (1923 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम वीर धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 369-ध वीर उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों व्यक्ति :—

1. कुमारी कविता कपूर (अब श्रीमति कविता धवन) निवासी ए-३० फेन्डग कालीनी, नई दिल्ली,

2. श्री विनोद कुमार और विपन कुमार, निवासी-२७-पिंचमी मार्ग, बस्तन विहार, नई दिल्ली,

को यह सूचना जारी करके दुर्बोलता सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंदिर में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की नामों से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दूब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

म्पेटोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुषि भूमि नावादी 5 बिंदे और 1 विश्वा, खसरा नं. 120 (राई) आर 121, ग्राम-कपशेरा, नहरील-महरीली नई दिल्ली,

नारीख 13-5-85

मोहर

New Delhi, the 13th May, 1983

R.F. No. IAC/Acq. 1/SR-III/8-84/473-H.—Whereas I, R.P. Rajesh being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No Agr. Land measuring 5 Bighas 1 Biswa situated at Village Kapashera, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Miss. Kavita Kapoor (Now Mrs. Kavita Dhawan)

R/o A-40, Friends Colony, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar & Vipin Kumar
27, Paschimi Marg, Vasant Vihar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bighas 1 Biswa bearing Khasra Nos. 120 (part) and 121 in Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

Dated : 13-5-1985.

Seal :

निर्देश सं. आई ए सी/एक्यु/I/एस आर-III/8-84/
473-जी:—अतः मुझे, आर. पी. राजेश, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन, सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संष्या कृपि भूमि तादादी 5 विद्या और 1 विश्वा है तथा जो कपाशेरा, तहसील—महरौली, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनूसूच्य में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, अगस्त 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वापत आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन, या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जगन्नता गुलाटी,
निवासी-3-डी, निजामुद्दीन ईस्ट,
नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार और विपिन कुमार,
निवासी—27-पश्चिमी मार्ग, बसन्त विहार,
नई दिल्ली,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में

समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रताशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 5 बोधे और 1 विश्वा, खसरा नं. 125/1, 125/2 और 119(भाग) ग्राम—कपाशेरा, तहसील महरौली, नई दिल्ली

तारीख 13/5/85

मोहर :

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/8-84/473-G.—Whereas I, R.P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Agr. land mg. 5 Bighas 1 Biswas situated at Village Kapashera, Teh. Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at New Delhi on August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Shuklal Gulhati,
3-D, Nizamuddin East, New Delhi.
(Transferee)

(2) Shri Viad Kumar & Vipin Kumar
27, Paschim Marg, Vasant Vihar,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bighas 1 Biswas bearing Khasra Nos. 125/1, 125/2 and 119 (Part) in Village Kapashera (Teh.) Mehrauli, New Delhi.

Dated : 13-5-1985.

Seal :

निदेश सं. आई०ए०स०/एक्यु/आई०ए० आर०-III-8-84/473-एफ :—या: मुझे आर० पी० राजश आपकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात उक्त अधिनियम कहा जा है) की धारा 269B के अधीन इक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संरक्षित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि तादादी 4 बोधे और 16 विश्वे है तथा जो ग्राम—कपाशेरा, तहसील—महरौली, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचों में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत दे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्करण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तराके के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुश्विधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन, या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्विधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुनारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चरणजीत लाल गुलहाटी, निवासी—3-डी, निजामुद्दीन, ईस्ट, नई दिल्ली, (अन्तरक)
2. श्री विनोद कुमार और विपन कुमार, निवासी—27-पश्चिमी मार्ग, ब्रस्त विहार, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए नार्याही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वमूल्यान्वयन के अंजन के लिए नार्याही शुरू करता है,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्तान्त्री के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमती

कृपया भूमि तादादी 4 बीघे और 16 विघे, खसरा नं. 119 (पार्ट) और 120 (पार्ट) ग्राम—कपाशेरा, तहसील—महरोनी, नई दिल्ली।

तारीख 13/5/85

मोहर

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/8-84/473-F. Whereas I, R.P. RAJESH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Ag. land mg. 4 Bighas 16 Biswas situated at Village Kripashera, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269B of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charanjit Lal Gulati
3-D, Nizamuddin East, New Delhi
(Transferor)
- (2) S/Shri Vinod Kumar & Vipin
Kumar,
27, Paschimi Marg, Vasant Vihar,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXI of the Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 Bighas 16 Biswa bearing Khata No. 119 (part) and 120 (part) in Village Karpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

Dated 13-5-1985

Seal :

निर्देश सं आई ए सी /गक्य./1/एम-आर-III/8-84/
173-आई—अनं मृष्टि, आर पी. राजेश, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 13) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 'बाजार मूल्य 1,00,000' रु. से अधिक है और जिसकी मूल्या नादादा 5 बीघा कृषि भूमि मैनिक फार्म ग्राम—खानपुर, देवली, है तथा जो तहसील—महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावध अनुमूल्य में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दे कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1984 को पूर्वोक्त समर्पण के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए नन्हित नी गई है और मझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मार्गनं वा बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, जिसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (पन्तरों) और अन्तारनी (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन बर देने के अन्तरक के दायित्व से किसी करने या उसमें बरने में मुविधा के लिए और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन, या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुभाग में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री एम करतारसिंह सुपुत्र एस हर्जी गिर,
जिग्सी—ए-189, डीफेस कालोनी,
नई दिल्ली, (अन्तरक)

2. श्रीमती उन्द्ररजीत कौर,
निवासी—सी-139, डीफेस कालोनी,
नई दिल्ली-24 (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्राप्ति की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिकायित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनमूल्य

कृपि भूमि नादादा 5 बीघे खमरानं 189, मिन (0-11), 190/1 और 190/2 (3-5), 191/2 मिन (0-4), 192 मिन (1-0), स्थित—सैनिक फार्म, ग्राम—देवली, खानपुर, नहसील—महरौली, नई दिल्ली।

तारीख 13/5/85

मोहर:

आर. पी. राजेश, सैनिक फार्म अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1 दिल्ली/नई दिल्ली।

Ref No. IAC/Arq I/SR-III/8-84/473-I—Whereas I, R.P. RAJESH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Agr. land and measuring 5 bighas, in Sainik Farm, situated in Village Devoli-Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri S. Kartar Singh s/o S. Harji
Singh R/o A-189, Defence
Colony, New Delhi (Transferor)

- (2) Inderjit Kaur, (Transferee) R/o C-139, Defence Colony, New Delhi-24.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural land measuring five bighas, Khasra nos. 189, min (0-11) 190/1 and 190/2 (3-5), 191/2, min (0-4) 192 min (1-0) situated in Sainak Farm Village Devoli-Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

Dated : 13-5-1985.

Seal :

R. P. RAJESH, Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax)
Acquisition Range Delhi/New Delhi